E Learning Study Material
By Prof YADWENDRA SINGH
MAHARAJA COLLEGE ARA BIHAR
VKS UNIVERSITY ARA BIHAR
BA PART 1st ECONOMICS HONS
PAPER 1st

Main Elements of Malthusian Theory of Population

ह्यूम (Hume) आदम स्मिथ तथा टाउनसेंड के विचारों ने भी माल्थस को प्रभावित किया। एडम स्मिथ के विचार आशावाद पर आधारित थे लेकिन तत्कालीन परिस्थितियों ने माल्थस को मानव हित के प्रति चिंतित बना दिया था अतः माल्थस के विचार निराशावाद पर आधारित थे।

माल्थस के जनसंख्या सिद्धान्त के मुख्य तत्व तीन हैं जिनका विश्लेषण निम्नलिखित है—

(i) जनसंख्या की वृद्धि दर (Rate of Growth of Population) — माल्थस के अनुसार मनुष्य में संतान उत्पन्न करने की अपार शक्ति होती है जिसके कारण जनसंख्या में तेजी से बढ़ने की प्रवृत्ति पायी जाती है। उनके अनुसार जनसंख्या खाद्य सामग्री एवं जीवन निर्वाह के साधनों की अपेक्षा अधिक तेजी से बढ़ती है।

~~अतः यदि जनसंख्या~~

माल्थस ने बताया कि जनसंख्या गुणोत्तर क्रम अथवा ज्यामितिक रीति (Geometrical Progression) के अनुसार यानी 1, 2, 4, 8, 16, 32, 64 के हिसाब से बढ़ती है। अतः यदि

यदि जनसंख्या की वृद्धि पर कोई प्रतिबन्ध नहीं लगाया जाय तो किसी भी देश की जनसंख्या 25 वर्षों में प्रायः दुगुनी हो जायगी।

(ii) खाद्य सामग्री अथवा जीवन निर्वाह के साधनों में वृद्धि की दर (Rate of Growth of the Means of Subsistence) - माल्थस के अनुसार खाद्य सामग्री में वृद्धि की ~~धीमी~~ गति जनसंख्या में वृद्धि की गति से कम होती है। जहाँ जनसंख्या गुणोत्तर क्रम में अथवा ज्यामितिक रीति से बढ़ती है वहाँ खाद्य सामग्री सामान्तर क्रम अथवा ~~अंकगणितीय~~ अंकगणितीय रीति (Arithmetical Progression) के अनुसार यानी 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8 के हिसाब से बढ़ती है। इसका मुख्य कारण यह है कि कृषि में उत्पत्ति ह्रास नियम (Law of Diminishing Returns) लागू होता है।

माल्थस के अनुसार, स्वभावतः मनुष्य की खाद्य सामग्री धीमी गणितीय अनुपात में बढ़ती है, मनुष्य एवं तीव्र ज्यामितिक अनुपात से बढ़ता है जब तक कि अभाव एवं दुख उसे रोक न दे।

अतः स्पष्ट है कि जनसंख्या में वृद्धि की दर खाद्य सामग्री अथवा जीवननिर्वाह के साधनों में वृद्धि की दर से अधिक होती है।

(iii) परिणाम (The Result) - अतः माल्थस ने यह निष्कर्ष निकाला की मनुष्य यदि बढ़ती हुई जनसंख्या को संयम, ब्रह्मचर्य तथा अन्य कृत्रिम उपायों से न रोके तो बीमारी, अकाल, युद्ध, महामारी आदि प्राकृतिक आपदाओं से अधिक जनसंख्या स्वयं नष्ट हो जायेगी। इस प्रकार माल्थस ने बढ़ती हुई जनसंख्या के अनिष्टकारी एवं भयावह परिणामों की ओर ध्यान आकर्षित किया।